ISSN 0972-5539

मीना समाचार
MEENA News

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का प्रकाशन
A PUBLICATION OF FISHERY SURVEY OF INDIA

खंड 29 संख्या 4 मुंबई अक्तूबर से दिसम्बर 2012

1.अनुसंधान :

मध्य - पश्चिमी तट के समीप अक्षांश 11° उ 18° उ के बीच, नवंबर 2012 क्रूस के दौरान जलयान एम.एफ.वी सागारिका (OAL - 28.8 मी) द्वारा सी-गल (Sea - gull) की उपस्थिति रिकार्ड की गई। अक्षांश 12° 14' उ/ रेखांश 74° 48' पू, अक्षांश 13° 16' उ/ रेखांश 74° 33' पू में 5-20 संख्या में सी-गल का झुंड कभी कभी दिखाई दिया। अधिकतर झुंड खुली नेत्र से और नौवहन दूरबीन से दिखाई दिया। पक्षी का आकार 20-40 से.मी का था। चोंच से पूंछ तक आकलित कुल लंबाई.इन झुडों को समुद्री सतह पर और उडते हुए भी दिखाई दिया। ये पक्षी सांवला, काला धूसर रंग का था, उदर सफेद और नुकीली चोंच काला/सफेद रंग के साथ है । सभी झुंडों में आकार और रंग एक जैसी पाई गई। फिर भी जलयान के डेरिक पर रात को पाए गए एक पक्षी का रंग अलग था। उस पक्षी के ड़2ळ धूसर, काली पंख और उदर सफेद, पुंच्छ के साथ सिर काला, धूसर भूरा नुकीली चोंच जिसका रंग काला था। समुद्र भ्रमण के दौरान एक प्राथमिक अवलोकन से मालूम होता है कि मध्य -पश्चिमी तट के समीप सी-गल की उपस्थिति दर्शाती है। रिकार्ड किए गए लक्षण पर गहरे अध्ययन इन पक्षियों की प्रजाति स्तर तक पहचानने में सहायक हो सकता है।

मत्स्य वृष्टि 7 समुद्री पक्षियों का रिकार्ड किया ।

दिसंबर 2012 के समुद्री यात्रा के दौरान, मुम्बई बेस से जुडे एम.वी मत्स्य वृष्टि टूना लाँग लाइनर,ने भारत के दक्षिण और मध्य -पश्चिमी तट के समीप 7 समुद्री पक्षियों का रिकार्ड किया । सात में से तीन पक्षियाँ समुद्र में पाए गए और शेष तट पर पाए गए ।

पहचाने गए पक्षियॉ निम्नलिखित है ।

1.ब्राह्मिणे की हेलियेस्टर इंडस

2.ब्राउन हेडड गल: लेरस ब्रूणि सेफेलस

3.पल्लास गल, लेरस इक्तियेटस

4.लिट्टिल टर्न : स्टेर्ना अलबिफ्रोन्स

5.ड्रेन्गो कुकु : सरनीकुलस लुगुब्रिस

6.एशियन पाम स्विफट : सिपसियूरस बालासिएनसिस

7.पेडीफील्ड पिपिट : एंथस स्पीशीज़

[डॉ. देवानंद ई उइके, व. वैज्ञानिक सहायक, भा.मा.स.ए मुंबई बेस द्वारा संसूचित]

II. बॉहिर्गमन और प्रशिक्षण

a) समुद्री पक्षियों के पहचान और वर्गीकरण पर प्रशिक्षण कार्यशाला सेकन (SACON) कोयम्बत्तूर, 5 - 8 नवंबर, 2012.

समुद्री पक्षियों के पहचान और मेपिंग की क्षमता को विकसित करने हेतु भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने पक्षी विज्ञान और नैसर्गिक इतिहास के लिए आरंभ किए गए सलीम अली केन्द, कोयम्बत्तूर का सुविज्ञता का उपयोग करते हुए समुद्री पक्षियों के पहचान एवं वर्गीकरण पर एक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया । दक्षता का उपयोग किया । सभी बेस और मुख्यालय से 16 वैज्ञानिकों ने कार्यशाला में भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान निम्नलिखित विषयों पर चर्चा की गई।

1. समुद्री पक्षियों का पहचान और वर्गीकरण पर कार्यशाला का लक्ष्य, गुंजाइश और संघटक
2. भारत के पक्षियों का परिचय।

3. भारत के समुद्री पक्षी - फील्ड पहचान और नैसर्गिक इतिहास

4. भारत के समुद्री पक्षी - पारिस्थितिकी, स्वभाव और डेमोग्राफी

5. भारत में समुद्री पानी का मानवीय प्रदूषण और पक्षियों एवं अन्य समुद्री जीव-जालों पर इसका प्रभाव ।

6. भारत के समुद्री पक्षी- परिरक्षण खतरा और जनसंख्या मॉनिटरिंग तकनीक

इसके अतिरिक्त प्रतिभागियों को निम्नलिखित जगहें का दर्शन कराए गए।

1. सेकॉन (SACON): पुस्तकालय और प्रयोगशाला एवं सेकन केंपस।

भारतीय पक्षी विज्ञान, भूत, वर्तमान और भविष्य डोक्यूमेंटळ्ू सिनेमा प्रतिभागियों के हित के लिए प्रदर्शित की गई।

अंतिम दिन पर भारतीय समुद्र में समुद्री पक्षियों की जनसंख्या मानीटरिंग पर एक दीर्घकालीन कार्यक्रम को विकसित करने से संबंधित और भारतीय समुद्र में पक्षी निरीक्षण संबंधित बाते रिकार्ड करने हेतु एक फील्ड मेनुअल विकसित करने के बारे में चर्चा की गई।

b) 'केरल तट के समुद्री मत्स्य संसाधन का संपोषण' विषय पर क्षेत्रीय कार्यशाला।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के कोचिन बेस ने 22 नवंबर 2012 को हार्बर इंजीनीयरिंग प्रॉजेक्ट हाउस, पुतियापा, क़ाषिकोड में केरल तट के समुद्री मत्स्य संसाधन का संपोषणीय उपयोग पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित किया। आधुनिक मत्स्यन तरीके, केरल तट के मुख्य मत्स्य संसाधन, और उत्तरदायी मत्स्यन पर जानकारी प्रदान करने हेतु सुरक्षा उपकरण एवं चार्ट संबंधित चार्ट आदि की प्रदर्शनी भी आयोजित की गई । मछुआरे वर्ग मत्स्यन उद्योग और मछुआरों सहकारी समिती के प्रतिनिधियाँ एवं मात्स्यिकी हायस्कूल के विद्यार्थी आदि लगभग 70 प्रतिभागीयों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। श्री के. अनिलकुमार, अधीनस्थ अधिकारी, भारतीय तट रक्षक कार्यशाला का उद्‌घाटन किया और शी सी गणेशन, अध्यक्ष, मात्स्यिकी समन्वय समिति, कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

c) पोर्ट ब्लेयर बेस में क्षेत्रीय कार्यशाला ।

विस्तारण कार्यक्रम के भाग के रूप में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के समुद्री मत्स्य संसाघन और पारिस्थितिक अनुकूल मत्स्यन प्रणलियों पर पोर्टब्लयर बेस ने एक दिन की क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की । यह कार्यशाला 13 दिंसबर 2012 को मात्स्यिकी निदेशालय, अंडमान और निकोबार प्रशासन के सहयोग से रामपुरे ग्राम पंचायत हॉल, मायाबंदर, उत्तर और मध्य अंडमान में आयोजित किया गया। कार्यशाला का लक्ष्य स्थानीय मछुआरों के बीच, विशेषकर इस क्षेत्र के केरन समुद्राय में मत्स्य संसाधन का इष्टतम उपयोग, पेर्च संसाधन एवं अधिकतम महासागरीय संसाधनों के उपयोग हेतु विविधीकृत मत्स्यन प्रणालियाँ, समुद्र में रहने पर लिए जानेवाले विविध सुरक्षा उपकरणों से संबंधित जानकारी पैदा करना था । श्री कार्तिक डाली, उप-प्रमुख माया बंदर, पंचायत समिति उत्तर और मध्य अंडमान में कार्यशाला का उद्धाटन किया। श्री. सॉ.थॉम्सन, प्रधान,रामपुर ग्राम पंचायत इस अवसर पर माननीय अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री मोहम्मद ताहिर, सहायक निदेशक डमात्स्यिकी.मायाबंदर, उत्तर और मध्य अंडमान ने की । डॉ.एल.रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक ने मुख्य भाषण दिया। श्री धर्मवीर सिंह, यांत्रिक समुद्री अभियंता डएम एम ई.सभा का स्वागत किया। 120 मछुआरे कार्यशाला में उपस्थित थे। डॉ.ए.बी.कर मात्स्यिकी वैज्ञानिक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यप्रम संपन्न हुआ ।

d) भारत में संपोषित समुद्री संसाधन पर ओपन हाउस और समुद्री मात्स्यिकी प्रदर्शनी, मार्मुगॉव बेस 15-16 अक्तूबर, 2012

भा. मा. स. का मामुगॉव बेस ने भारत में संपोषित समुद्री मात्स्यिकी पर 15-16 अक्तूबर 2012 को ओपन हाउस और समुद्री मात्स्यिकी प्रदर्शनी आयोजित की। ओपन हाउस का उद्धाटन श्रीमती ब्लांच फेर्नांडिस, डीप विहार, हायर सेंकडरी स्कूल, ने किया। भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के कार्यकलाप, उपलब्धियाँ, भविष्य की रूप रेखा, भारतीय मात्स्यिकी संसाधन के मत्स्यन तरीके प्रदर्शित किए गए। पारंपरिक और यंत्रीकृत बोट, गियर मॉडल, गोवा, भारत और दुनिया के समुद्री मत्स्यन की स्थिति से संबंधित चार्ट भी प्रदर्शित किए गए। भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण द्वारा निर्मित

डोक्यूमेंट्री फिल्म भी इस में प्रदर्शित की गई । कुल मिलाकर 356 विद्यार्थी 18 अध्यापक/संकाय सदस्य ओपन हाउस को देखा ।

e) भा. मा. स. विशाखपटट्णम में ओपन हाउस

एक दिन का ओपन हाउस 20 दिंसबर 2012 को फिशिंग हार्बर के जेटटी सं 6 में आयोजित किया गयां जिसमें 1400 से अधिक लोग मत्स्य दर्शिनी और मत्स्य शिकारी को देखने आए। इनमें स्कूल कॉलेज के विद्यार्थी, मत्स्यन उद्योग आम जनता पर्यटक शामिल थे। उन्हें भारतीय मात्स्यिकी संसाधन के कार्यकलाप और मत्स्यन प्रचालन, मत्स्य संसाधन एवं नौवहन उपकरण संबंधी जानकारी दी गई। टी.वी चैनल और प्रेस द्वारा

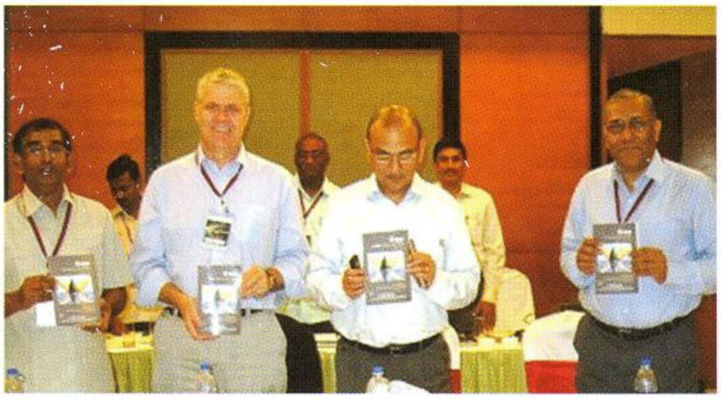

कार्यक्रम का प्रचार - प्रसार किया गया।

III. राजभाषा कार्यान्वयन

मैनाक प्रकाशित की गई

पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन विभाग के संयुक्त सचिव श्री तरण श्रीधर, भा.प्र.से आई ए एस.द्वारा भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुम्बई मुख्यालय के वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली 'मैनाक' का विमोचन किया गया। डॉ.वाइ.एस.यादव, निदेशक, बी. ओ.बी.पी-आई जी ओ, डॉ.चार्लस ओब्रियन, क्षेत्रीय समन्वयक, बॉबलम [BOBLME] और डॉ. के.विजायकुमारन, महानिदेशक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण इस समारोह में उपस्थित थे। कार्यक्रम होटल ग्रीन पार्क, विशाखपटटण में आयोजित किया गया ।

भा. मा. स. मुंबई (मुख्यालय) में हिन्दी कार्यशाला

राजभाषा अधिनियम, 'राजभाषा नीति और तिमाही रिपोर्ट भरना और उचित रूप से रिकार्ड प्रबंधन दिशा निर्देश' संबंधित विषय पर एक दिन की कार्यशाला 11 दिसंबर 2012 को आयोजित की गई। श्रीमती सुष्मिता भटटाचार्य, सहायक निदेशक, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, नवी मुंबई, ने उपर्युक्त विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने राजभाषा अधिनियम और संघ की राजभाषा नीति से संबंधित संक्षिप्त टिप्पणी दी और तिमाही प्रगति रिपोर्ट की रिकार्ड संभालकर रखने से संबंधित उचित मार्गदर्शन दिया। 20 कर्मचारियों सक्रिय रूप से कार्यशाला में भाग लिया ।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, विशाखपटटणम और पोर्ट ब्लेयर बेस में हिन्दी कार्यशाला

विशाखपटटणम बेस में अक्तूबर-दिसंबर 2012 के दौरान हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई। श्रीमती सौभाग्य रानी, हिन्दी अधिकारी, आकाशवाणी, विशाखपटटणम मुख्य अतिथि थी । उन्होंने 'कार्यालयीन कार्यो में हिन्दी का प्रयोग' संबंधित विषय पर कक्षा चलाई। कार्यक्रम में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया ।

राजभाषा कार्यान्वयन के भाग के रूप में पोर्ट ब्लेयर में 31 दिंसबर 2012 को एक हिन्दी कार्यशाला आयोजित की। श्री धर्मवीर सिंह, यांत्रिक समुद्री अभियंता डएम एम ई. भा.मा.स, पोर्टब्लेयर, इस अवसर पर संकाय थे। उन्होंने कार्यालयीन कार्यो में हिन्दी टिप्पणी और प्रारप लिखने से संबंधित और कार्यालयीन कार्यविधियों पर कक्षा चलाई।

प्रशस्ति पत्र और आर्शिवाद स्मृति चिह्न

श्री.एल.के.राव, व. प्रशासनिक अधिकारी, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुम्बई (मुख्यालय) को राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र एवं आर्शीवाद स्मृति चिह्न से पुरस्कृत किया गया । यह पुरस्कार 9 नवंबर 2012 को एन एफ डी सी, प्रिन्यू थिएटर, नेहर प्लेनटोरियन, वर्ली में संपन्न आर्शिर्वाद 21 वॉ राजभाषा सम्मेलन में दिया गया ।

मुम्बई (मुख्यालय)के लिए आर्शीवाद पुरस्कार.

मुम्बई में स्थित छोटे केन्द सरकारी कार्यालयों में हिन्दी के कार्य करने के लिए भा. मा. स. (मुख्यालय) को आर्शीवाद राजभाषा स्मृति चिह्न के रूप में द्वितीय पुरस्कार दिया गया। पुरस्कार डॉ. के.विजयकुमारन, महानिदेशक को 9 नवंबर 2012 को एन.एफ.डी.सी प्रिन्यू थियेटर, नेहर प्लेनटोरियम, वर्ली, मुम्बई में आयोजित आर्शीवाद राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह अवसर पर दिया गया ।

टोलिक बैठकों में प्रति भागिता ।

डॉ. के. विजयकुमारन, महानिदेशक और श्रीमती मीरा वेल्लन राजीव, क.हिन्दी अनुवादक, 5 दिंसबर 2012 को पश्चिम रेल्वे डमु.चर्चगेट, मुम्बई में आयोजित बैठक में भाग लिया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही समीक्षा बैठक 18 दिसंबर 2012 को मुख्यालय में आयोजित की गई ।

कोचीन बेस

01.10.2012 से 31.12. 2012 तक

11.12.2012 को एक हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई । 25 कर्मचारियों ने कार्यशाला में भाग लिया।

27.12.2012 को मुख्य आयकर आयुक्त के कार्यालय में आयोजित कोचिन नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में श्री डी. के. गुलाटी, क्षेत्रीय निदेशक और श्रीमती लीना टी.पी., क. हिन्दी अनुवादक ने भाग लिया ।

श्रीमती लीना टी.पी., हिन्दी अनुवादक ने 03.10.2012 को केन्द्रीय राजस्व भवन में आयोजित प्रतियोगिताओं के निणार्यक के रूप में काम किया । 04.10.2012 को नेवल बेस में एक हिन्दी कार्यशाला में क्लास ली, 19.10.2012 और 29.10.2012 को पुलीस अधीक्षक, केन्द्रीय जांच ब्यूरों में अनुवाद का काम किया ।

अन्य कार्यकलापें

डॉ. अंशुमन दास. क.मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री एम.गोविंद राव, रेडियों टेलिफोन ओपरेटर, ने मण्डलीय रेल्वे प्रबंधक के कार्यालय, विशाखपटटणम में आयोजित टोलिक की बैठक में भाग लिया।

डॉ. अंशुमन दास. क.मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री एम.गोविंद राव को राजभाषा संसदीय समिति की निरीक्षण प्रश्नावली भरने से संबंधित विशेष कार्यशाला में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त किए गए । यह कार्यशाला टोलिक, विशाखपट्टणम की ओर से विशाखपटटणम स्टील प्लांट द्वारा, एच. आर.डी बिल्डींग, उकुनोग्राम में आयोजित की गई ।

IV. प्रशिक्षण/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ सिम्पोसियम/ बैठक/ सम्मेलन में भागीदारी

A) अंतर्राष्ट्रिय

- श्री के.गोविद राज, व.मा.वै, ने 24 - 29 अक्तूबर 2012 के दौरान मॉरिशियस में आयोजित 14 वी आइ. ओ.टी.सी, वर्किंग पार्टी में भाग लिए और लंबाई आवृत्ति ऑकड़े का आधार पर अंडमान एवं निकोबार समुद्र में येल्लो फिन टूना थुन्नस अलबकेरसक़ी वृध्दि एवं जनसंख्या पैरामीटर के अध्ययन पर शोध पत्र प्रस्तुत किया ।
- श्री एस.के.द्विवेदी, व.वैज्ञानिक सहायक ने 16 अक्तूबर से 22 नवबंर तक ओवरसीस मात्स्यिकी सहकारी फाउन्डेशन ओ एफ सी एफ, टोकियो, जापान द्वारा आयोजित मात्स्यिकी संसाधन प्रबंधन पर नेतृत्व प्रशिक्षण पाठ्यप्रम में भाग लिया

राष्ट्रीय

श्री के. गोविंदराज, व.मात्स्यिकी वैज्ञानिक और डॉ. ए.बी.कार, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने प्रेस सूचना ब्यूरो, हट बे, लिटिल अंडमान द्वारा 19 -23 दिंसबर 2012 के दौरान मात्स्यिकी निदेशालय आयोजित के सहयोग से भारत निर्माण सार्वजनिक सूचना अभियान में भाग लिया ।

डॉ. एल. रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक, डॉ. ए.बी.कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री.जी.वी.ए. प्रसाद, व.वैज्ञानिक सहायक ने प्राकृतिक खतरा और तटीय पर्यावरण: अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह के लिए रोड मेप विषय पर पांडिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा टेगोर सरकारी शिक्षा कॉलेज पोर्ट ब्लेयर के ऑडिटोरियम में 4 अक्तूबर 2012 को आयोजित तीसरी भारतीय लैंडस्लाइड कॉग्रेस के उद्घाटन समारोह में भाग लिया । श्री पी. पी. श्रीवास्तव, माननीय सदस्य, उत्तर पूर्व कॉउसिल, शिल्लोंग ने समारोह की सध्यक्षता की ।

डॉ. एल.रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक, 9 अक्तूबर 2012 को सचिव (मात्स्यिकी) अण्डमान और निकोबार प्रशासन के चेम्बर में आयोजित राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अधीन डीप-फ्रीजर और इंसुलेटड बर्फ बक्स की खरीद के लिए योग्य व्यक्तियों का नाम जांच करने और सिफारिश करने हेतु समिति में सदस्य के रूप में काम किया ।

डॉ. एल.रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक, डीप फ्रीजर और इंसुलेटड बर्फ बक्स की खरीद के लिए योग्य व्यक्तियों का नाम जांच करने और सिफारिश करने हेतु समिति में सदस्य के रूप में काम किया और 7 नवंबर 2012 को सचिव (मा) अण्डमान और निकोबार प्रशासन के कक्ष में आयोजित बैठक में उनके द्वारा नामांकित श्री के.गोविदंराज, व.मा.वै. ने भाग लिया ।

डॉ. एल.रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक ने विभागीय पदोन्नति समिति के सदस्य के रूप में काम किया और 10 नवंबर 2013 को मात्स्यिकी निदेशालय के अण्डमान और निकोबार प्रशासन की बैठक में भाग लिया ।

डॉ. एल.रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक और श्री जी.वी.ए. प्रसाद, वैज्ञानिक सहायक डीप फ्रीजर और इंसुलेटड बर्फ बक्स की खरीद के

लिए रा.कृ.वि. यो के अधीन योग्य व्यक्तियों का नाम अवलोकन करने और सिफारिश करने की समिति की बैठक में उपस्थित हुए और रा.कृ. वि. यो के अधीन इंटरमीडियरी यांत्रिक मत्स्यन नौके का (पश्चिम) कार्यक्रम के कार्यान्वयन हेतु 18 दिसंबर 2012 को आयोजित मूल्यांकन समिति की बैठक में भी भाग लिया ।

डॉ पी. कृष्णन, वैज्ञानिक, सी.ए. आर आई, डॉ एन नीतिसेल्वम, प्रोफेसर और मत्स्यन प्रौद्योगिकी एवं मत्स्यन इंजीनीयरिंग विभाग के अध्यक्ष, मात्स्यिकी कॉलेज और अनुसंधान संस्था, थूथुकुडी, 11 अक्तूबर 2012 को मत्स्य हार्वेस्ट/ पोस्ट हार्वेस्ट प्रौद्योगिकी द्वारा अण्डमान और निकोबार ट्राइबल मात्स्यिकी के रीवैटलैजेशन पर परामर्श करने के सिलसिले में पोर्ट ब्लेयर बेस का दौरा किया।

डॉ.ए.बी.कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री जी.वी.ए. प्रसाद, व. वैज्ञानिक सहायक 23 नवबंर 2012 को समुद्र विज्ञान एवं समुद्री जीव विज्ञान के विभाग पांडिचेरी विश्वविद्यालय, ब्रुक शब्द केंपस में पी.एच.डी सिनोपसिस के सार्वजनिक प्रस्तुति में भाग लिया।

श्रीमती एम.के श्रीमती, कार्यालय अधीक्षक, श्री पी.वी.लतीष, प्रवर, श्रेणी लिपिक और श्री गोपकुमारन नायर, प्रवर श्रेणी लिपिक, भा. मा. स. का विशाखपटटणम बेस में 22 -24 नवंबर 2012 को 'प्रशासन और स्थापना नियमों' पर आयोजित इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।

कोच्चिन बेस, 30 नवंबर से 5 दिसंबर 2012 तक स्वदेशी विज्ञान आन्दोलन द्वारा आयोजित स्वाश्रय भारत प्रदर्शनी में भाग लिया। कई नमूने, चार्ट, मॉडल आदि भा. मा. स. स्टॉल में प्रदर्शित किया गया और द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

श्री धर्मवीर सिंह, यांत्रिक समुद्री अभियंता और श्री.एन.वर्धन, स्टेनो ग्रेड - I ने 22 - 24 नवबंर 2012 के दौरान विशाखपटटणम बेस मे प्रशासनिक और स्थापना नियम, डफाइल प्रणाली, भर्त्ती, पदोन्नति, वेतन निर्धारण रोस्टर, पेंशन कागजात तैयार करने लेखा और कार्डेक्स इन्वेंटरी. पर आयोजित इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।

डॉ. एल.रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक, डॉ.ए.बी.कार, मात्स्यिकी. वैज्ञानिक और श्री जी.वी.ए. प्रसाद, व.वैज्ञानिक सहायक ने 16 नवंबर 2012 को महात्मा गांधी सम्मेलन कक्ष, क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र, डॉलिगुंज में आयोजित द्वीप निवासियों के हित के लिए विचारों के आपसी आदान - प्रदान संबंधित वैज्ञानिक फोरम का गठन संबंधित बैठक में भाग लिया।

श्री के. गोविंद राज, व.मा.वै और श्री जी.वी.ए. प्रसाद, व.वै.स ने 16 अक्तूबर 2012 को सी.ए. आर. आई में आयोजित सिनरेजेटिक हार्वेस्ट द्वीप मत्स्यन की रीवैटलैजिंग हेतु पहले इंटरफेस बैठक में भाग लिया। साथ ही उन्होंने मत्स्य हार्वेस्ट / पोस्ट हार्वेस्ट तकनोलजी द्वारा अण्डमान और निकोबार ट्राइबल मत्स्यन की रीवैटलैजिंग विषय पर चर्चा में भी भाग लिया।

श्री धर्मवीर सिंह, यांत्रिक समुद्री अभियंता डएम एम ई, श्रीमती रीटा हल्दर, के निजी मत्स्यन बोट को पात्र सबसिडी विमोचित करने हेतु मत्स्यन बोट का निरीक्षण के लिए क्षेत्रीय मात्स्यिकी कार्यालय, दक्षिण अण्डमान पोर्ट ब्लेयर द्वारा गठित समिति के एक सदस्य के रूप में 21 दिसंबर 2012 को वंडूर में भाग लिया ।

श्री धर्मवीर सिंह, यांत्रिक समुद्री अभियंता, 10 दिसंबर 2012 को इन्डियन ऑयल (मार्केटिंग प्रभाग) द्वारा होटल सिंक्लैर, पोर्ट ब्लेयर में आयोजित समुद्री ग्राहक की बैठक में भाग लिया ।

डॉ. ए.एनरोज. क्षेत्रीय निदेशक ने 15 अक्तूबर 2012 को हैदराबाद में एन सी एस सी एम सिकोम, एम ओ इ एफ द्वारा आयोजित COP साइड इवेंट में भाग लिया ।

डॉ. ए.एनरोज. क्षेत्रीय निदेशक ने 11 दिसंबर 2012 से 13 दिसंबर 2012 तक भारतीय समुद्र में इलास्मोब्रांच संसाधन का निर्धारण विषय पर आयोजित परियोजना के प्रांरभिक कार्यशाला में भाग लिया। यह कार्यशाला सी.एम.एफ.आर.आइ, चेन्नई के मदास अनुसंधान केन्द में आयोजित की गई। उन्होंने 13 दिसंबर 2012 को गहरे समुद्री इलास्मोब्रांच संसाधन पर भाषण दिया ।

श्री डी. भाभी रेड्डी, सेवा अभियंता (यांत्रिक) और डॉ. अंशुमन दास, क.मात्स्यिकी वैज्ञानिक, 5 अक्तूबर 2012 को सम्मेलन-कक्ष, सिफनेट, विशाखपटट्णम में आयोजित केरल लेजिस्लेटिव एसेंब्ली की मछुआरे और संबंधित मजदूरों की कल्याण समिति की बैठक में भाग लिया ।.

डॉ. एस.के. नाईक, क्षेत्रीय निदेशक ने मिलाग्रिस कन्वेंशन केन्द्र मंगलूर में 3 दिसंबर 2012 को आयोजित मात्स्यिकी शिक्षा, संसाधन और विकास पर आयोजित बैठक में भाग लिया ।

डॉ. एस.के. नाईक, क्षेत्रीय निदेशक ने 4 दिसंबर 2012 को फिशरीज कॉलेज, मंगलूर में एशियन फिशरीज सोसाइटी, भारतीय शाखा द्वारा आयोजित भूख और कुपोषण के उन्मूलन हेतु जल संसाधन - अवसर और चुनौतियाँ विषय पर आयोजित परिसंवाद में भाग लिया ।

VI. शैक्षिक उपलब्धियां

श्री एम.के.सजीवन, क.मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुम्बई (मुख्यालय) को 19 अक्तूबर 2012 को कुसेट विश्वविद्यालय ने भारत के उत्तर -पश्चिमी तट के विशेष संदर्भ में, भारतीय समुद्र में पाई जाने वाली कोबिया राचिसेन्ट्रोन केनडुम डलिनेस 1766. के वर्गीकरण, जीवन चरित्र गुण, प्रचुरता और स्टाक निर्धारण शीर्षक थीसीस के लिए पी.एच.डी डिग्री से सम्मनित किया। उन्होंने डॉ.बी.मधुसूधना कुरूप, कुलपति, केरल - विश्वविद्यालय, मात्स्यिकी और समुद्री अध्ययन, कोचिन के मार्गदर्शन में काम किया ।

VII. प्रशासनिक समाचार

नियुक्तियां

- श्री धनंजय शुक्ला, 22 नवबंर 2012 को विशाखपटट्णम बेस मे अवर श्रेणी लिपिक के पद पर नियुक्त किया गया।
- श्री शाहनवाज़, 23 नवबंर 2012 को भा. मा. स., पोर्ट ब्लेयर बेस में क. हिन्दी अनुवादक के पद पर नियुक्त किया गया।

पदोन्नति

- श्री एम.जोसफ पॉल, स्किप्पर ने 20 अक्तूबर 2012 को भा. मा. स., पोर्ट ब्लेयर से पदोन्नति एवं स्थानांतरण होने पर चेन्नई बेस में कार्यग्रहण किया ।
- श्री एम.के.सजीवन को 3 अक्तूबर 2012 से क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक के पद में पदोन्नति हुई और मुख्यालय में तैनात किया गया ।
- श्री डी. भामी रेड्डी, सेवा अभियंता (यांत्रिक) विशाखपटट्णम बेस को यांत्रिक समुद्री अभियंता के पद पर 4 दिसंबर 2012 को पदोन्नति की गई ।
- श्री ए.पी उदयप्पन, मेट ग्रेड -I विशाखपटट्णम बेस को स्किप्पर की पदोन्नति दी गई और 7 दिसंबर 2012 को कार्यभार ग्रहण किया ।
- श्री धर्मवीर सिंह, सेवा अभियंता (यांत्रिक) पदोन्नति होने पर 5 दिसंबर 2012 की यांत्रिक समुद्री अभियंता का पद पर कार्यभार ग्रहण किया।

स्थानांतरण / प्रतिनियुक्ति

- श्री के एल.जोसफ पॉल, मेट ग्रेड -I को भा. मा. स., का चेन्नई बेस में स्थानांतरित करने पर 1 अक्तूबर 2012 को कार्यमुक्त किया गया।
- श्री वी.वी.एस.मूर्ती, मेट ग्रेड -I विशाखपटट्णम बेस से स्थानांतरित होने पर 4 अक्तूबर 2012 को पोर्ट ब्लेयर बेस में कार्यभार ग्रहण किया।

  श्री के.जे.बोबन जोशी, एम.टी.एस को कोचिन बेस से मार्मुगॉव बेस स्थानांतरित होने पर 30 नवंबर 2012 को भार मुक्त किया गया ।
- श्री जेकब थॉमस, क. वैज्ञानिक सहायक को कोचिन बेस से मुम्बई बेस स्थानांतरित होने पर 3 दिसंबर 2012 को

  कार्यभार ग्रहण किया।
- श्री पारितोष बिस्वास, मेट ग्रेड -ध स्किप्पर के पद में पदोन्नत होने पर चेन्नई बेस से विशाखपटट्णम बेस में स्थानांतरित किया गया और 14 दिसंबर 2012 को कार्यभार ग्रहण किया।

सेवानिवृत्ति

- श्री एल.के.राव, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी अपने अधिवर्षिता पर 31 दिसंबर को भा. मा. स. मुख्यालय से सेवानिवृत्त हुए।

संकलनकर्ता : कुमारी राजश्री बी सनदी, संपादक: डॉ. एम के सजीवन, हिन्दी अनुवादक: मीरा वेल्लेन राजीव,
प्रकाशक: श्री प्रेमचंद महानिदेशक: भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, भारत सरकार, कृषि मंत्रालय, बोटावाला चेम्बर्स, सर पी एम रोड, मुम्बई-400 001,
तार: मीना वेबसाईट:htttp:/fsi.gov.in फैक्स: (022) 22702270.दूरभाषा: 22617144/45 मुद्रक: ऑनलूकर प्रेस, मुम्बई. दूरभाषा 022-22182939/3544